53 वर्षों से निरंतर
दक्षिण से प्रकाशित
हिन्दी अकादमी, हैदराबाद

ISSN 2277 - 9264

पीयर रिव्यूड व यूजीसी केयर सूची में सम्मिलित पत्रिका

शोध और सृजन की त्रैमासिक

जनवरी - मार्च, 2025

अंक - 1

संकल्प

असम राज्य के राज्यपाल महामहिम श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी को संकल्य पत्रिका भेंट करते हुए डॉ. गोरख नाथ तिवारी, संपादक, संकल्य ।

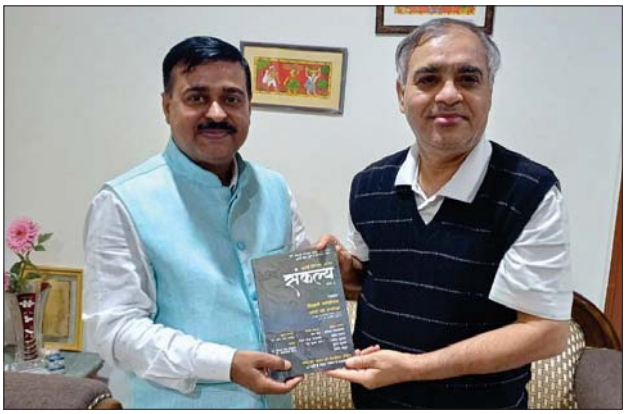

श्री राजेश्वर तिवारी, आई.ए.एस. को 'संकल्य' भेंट करते हुए डॉ. गोरख नाथ तिवारी ।

'संकल्य' के प्रधान संपादक प्रोफेसर आर.एस. सर्राजु जी को 'संकल्य' का विशेषांक भेंट करते हुए डॉ. गोरख नाथ तिवारी ।

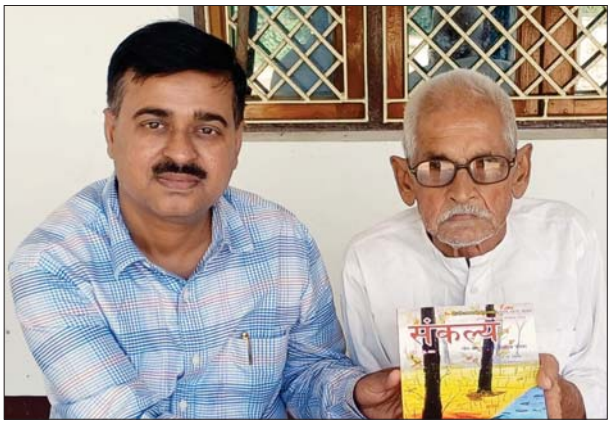

अंग्रेजी भाषा के मर्मज्ञ विद्वान श्री केसरी नंदन मिश्र जी को संकल्य भेंट करते हुए डॉ. गोरख नाथ तिवारी ।

ISSN : 2277-9264

पीयर रिब्यूड व यू.जी.सी. केयर सूची में सम्मिलित जर्नल

मधुसूदन चतुर्वेदी एवं प्रो. बैजनाथ चतुर्वेदी कीर्ति स्तंभ

स्थापना वर्ष : 1956

संकल्प

त्रैमासिक

वर्ष : 53 : अंक–1, जनवरी–मार्च, 2025

प्रधान संपादक
प्रो. आर. एस. सर्राजु

प्रेरणास्रोत
विवेकी राय
प्रो. टी. मोहन सिंह

कानूनी सलाहकार
सुश्री कविता ठाकुर

संपादक
डॉ. गोरख नाथ तिवारी
डॉ. शशिकांत मिश्र

परामर्शदाता मंडल

प्रो. टी. आर. भट्ट
प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल
प्रो. दिलीप सिंह
प्रो. तेजस्वी कट्टीमनी
प्रो. नंद किशोर पांडेय
प्रो. शुभदा वांजपे
श्री ओम धीरज
श्री रुद्रनाथ मिश्र

प्रबंध संपादक
रेखा तिवारी

प्रूफ रीडर
प्रमोद कुमार मणि त्रिपाठी

आवरण चित्र
श्री प्रज्ञान कश्यप

मूल्यांकन समिति

प्रो. सुशील कुमार शर्मा
प्रो. प्रभाकर त्रिपाठी
प्रो. जयंतकर शर्मा
प्रो. एम. श्याम राव
प्रो. भारत भूषण

सम्मानीय संरक्षक

श्री राजेश्वर तिवारी, आई.ए.एस.
श्री लाल जी राय, आई.ए.एस.
श्री जितेंद्र रेड्डी, पूर्व संसद सदस्य
प्रो. आर. के. मिश्रा

प्रकाशक
डॉ. गोरख नाथ तिवारी
सचिव : हिंदी अकादमी, हैदराबाद

संपादकीय कार्यालय

प्लॉट नं. 10, रोड नं. 6, समतापुरी कॉलोनी
न्यू नागोल के पास, हैदराबाद– 500 035 (तेलंगाना)

संकल्य (त्रैमासिक)

- प्रकाशित सामग्री की रीति–नीति या विचारों से **हिंदी अकादमी, हैदराबाद** या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।
- **'संकल्य'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल हैदराबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
- **हिंदी अकादमी** तथा हिंदी सेवा के लिए समर्पित **'संकल्य'** त्रैमासिक के सभी पद अवैतनिक हैं।

शुल्क भेजने का पता :

मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट **हिंदी अकादमी** के नाम

सचिव : डॉ. गोरख नाथ तिवारी
मकान नं. 22–7/7/2/ए, जय भवानी नगर,
रालागुडा, सिद्दिल गुट्टा कमान, शमशाबाद, के.वी. रंगारेड्डी,
हैदराबाद– 501218 (तेलंगाना), ई–मेल : **hindiakadami@gmail.com**
फोन : 9032117105

ऑनलाइन संकल्य की सदस्यता शुल्क भेजने हेतु पृष्ठ संख्या 201 पर बैंक डिटेल देखें।

मूल्य :

एक अंक का मूल्य रु. 125/–
वार्षिक : रु.500/–, **आजीवन सदस्यता :** रु.6,000/– (व्यक्तिगत),
संस्थागत आजीवन : रु.7,500/–, संस्थाओं के लिए : **वार्षिक** सदस्यता : रु. 800/–,
संरक्षक सदस्यता शुल्क : रु.7,500/–

मुद्रक :

कर्षक आर्ट प्रिंटर्स
40–ए.पी.एच.बी.
विद्यानगर, हैदराबाद–500 044
फोन : 040–27618261, 27653348

संकल्य पत्रिका में प्रकाशन हेतु Kruti Dev 010 या Unicode Mangal फ़ांट में सामग्री टाइप करवाकर ई–मेल : hindiakadami@gmail.com पर भेजें।

ISSN 2277-9264/ पीयर रिब्यूड व यू.जी.सी. केयर सूची में सम्मिलित जर्नल RNI No. 25388/74

संकल्प त्रैमासिक

वर्ष : 53 : अंक–1, जनवरी–मार्च, 2025

अनुक्रम Contents

संपादकीय

आधुनिक हिंदी साहित्य और मूलभूत कौशल विकास : प्रो. आर. एस. सर्राजु 06

आलेख

1. रामचरितमानस के पात्रों में वियोग के विविध प्रसंग : डॉ. गिरजा शंकर गौतम 08
2. खासी लोक साहित्य और मीडिया : अंतःसंबंध एवं अंतःक्रिया : प्रो. सुशील कुमार शर्मा 14
3. इक्कीसवीं सदी के मुस्लिमेतर लेखकों की हिंदी कहानियों में चित्रित नारी विमर्श (मुस्लिम समाज के संदर्भ में) : प्रो. पठान रहीम खान 20
4. स्त्रियों की मुक्ति में स्त्री–दर्पण पत्रिका की भूमिका : अनुराधा मौर्या 25
5. आधुनिक हिंदी उपन्यासों में चित्रित लोकगीत (इक्कीसवीं सदी के संदर्भ में) : गौरव सिंह, प्रो.एस.वी.एस.एस. नारायण राजू 30
6. असगर वजाहत के नाटकों में देश विभाजन की त्रासदी का यथार्थ : डॉ. नवनाथ गाड़ेकर 36
7. राठी लोकगीतों में स्त्री हक़ चेतना के स्वर : सुमन 43
8. भारतीय भाषाओं में एकतामूलक संवाद : डॉ. नीतू बंसल 48
9. समकालीन हिंदी कविता में पर्यावरण चिंतन की अभिव्यक्ति : डॉ. शशि कुमार शर्मा 52
10. दलित आत्मकथाओं में व्यक्त समाजबोध के संदर्भ में 'मेरा बचपन मेरे कंधे पर' का अध्ययन : डॉ. राजेश राव 57
11. भक्ति आंदोलन में शंकरदेव और माधवदेव का योगदान : मनिका राभा, डॉ. मनोज कुमार स्वामी 63
12. मध्यकालीन काव्य में कृषक एवं श्रमिक संस्कृति (तुलसीदास, कबीरदास, सूरदास के विशेष संदर्भ में) : तेजमाल सिंह, प्रो. पी. राजरत्नम 68
13. डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के उपन्यासों में पहाड़ी क्षेत्र का यथार्थ : डॉ. खीमानन्द बिनवाल 74
14. 21वीं सदी के प्रथम दशक की नारीवादी कहानियाँ और स्त्री जीवन मूल्य : डॉ. मुदनर दत्ता सर्जेराव 79
15. वैश्वीकरण और हिंदी कहानी (सूर्यबाला के 'मानुष–गंध' कहानी के संदर्भ में) : प्रा. एस. टी. कोली 83

16. विश्व पटल पर रामकथाएँ : गिरमिटिया साहित्य के विशेष संदर्भ में : कौशल किशोर 86
17. डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की कहानियों में शिक्षा का महत्व : खेमलता गोस्वामी, डॉ. विद्यावती चंद्राकर 92
18. भारतीय संविधान और हिंदी भाषा : रेनू 96
19. 'ध्रुवस्वामिनी' में अभिव्यक्त भारतीय स्त्री की छवि : डॉ. अजीत कुमार पुरी 102
20. युग बोध के वातायन से 'यशोधरा' और नारी : सोनम पाण्डेय 106
21. अहीरवाल क्षेत्र के लोकगीतों में स्त्री चित्रण : सुनीता कुमारी, प्रो. गीता कपिल 110
22. लोक संवेदना का किस्सागो : अमृतलाल नागर : डॉ. अजय कुमार यादव 115
23. मैत्रेयी पुष्पा के कथा साहित्य में यौन नैतिकता के संबंध का स्वच्छंद चित्रण : डॉ. पुरबी कलिता 120
24. भारतीय संस्कृति को संजोता हिंदी काव्य : डॉ. गजेंद्र सिंह, डॉ. अंजू 125
25. कौरवी लोकगीतों में से झाँकता स्त्री जीवन: डॉ. आरती राणा 134
26. अशोक कुमार मंगलेश का आलोचना कर्म : एक विवेचन : सोनू कुमारी 141
27. अभिमन्यु अनत के कथा साहित्य में नस्लवाद : डॉ. कुमारी गीता 146
28. मीडिया में स्त्री : कुछ संदर्भ, कुछ चुनौतियाँ और संभावनाएँ : डॉ. राहुल मिश्र 152
29. भारतीय ज्ञान परंपरा एवं शंकरदेव का नाट्य साहित्य : डॉ. चन्दना शर्मा 159
30. स्थानीयता की ओर प्रस्थान करती कविता : डॉ. गिरीश कुमार के.के. 166
31. अरे यायावर रहेगा याद : पूर्वोत्तर भारत का साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विश्लेषण : प्रलय कुमार बोड़ो, प्रो. संजय कुमार 171
32. 'मदारीपुर जंक्शन' उपन्यास में भारतीय गाँव की बदलती संरचना और जातिगत राजनीति : अनिता 177
33. धर्मवीर भारती के कथा साहित्य में स्त्री सरोकार : राखी 182
34. मानवीय मूल्यों के संदर्भ और भक्तिकाल : डॉ. राजेश कुमार, डॉ. संजय कुमार 187
35. हिंदी साहित्य की परंपरा और दलित चेतना : डॉ. सुमन देवी 192
36. उषा देवी मित्रा के उपन्यास 'पिया' में स्त्री विषयक चिंतन : डॉ. बलजीत कौर, डॉ. अन्नु 198
37. 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास में चित्रित दिव्यांग जीवन : डॉ. वन्दना 202
38. संत और लोकमंगल (तिरुवल्लुवर और कबीर के विशेष संदर्भ में) : डॉ. एस. प्रीति 208

39. कहानी संग्रह 'उससे पूछो' के स्त्री पात्र : धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों का विश्लेषण : डॉ. रेखा शर्मा 214
40. संस्कृति और साहित्य में पर्यावरण का अंतर्संबंध और गुरु जाम्भोजी : डॉ. अल्का मणि 219
41. स्त्री शोषण, उत्पीड़न और संघर्ष का दस्तावेज 'छिन्नमस्ता' : डॉ. गोरख नाथ तिवारी 224
42. टोकरी में दिगंत : स्त्री संवेदना की अनुगूँज : हुमैरा फात्मा डॉ. रश्मि सूद 231
43. फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यास : स्वातंत्र्योत्तर भारत में मोहभंग की व्यथा : माणिक पंडा 236
44. महाकाव्य 'साकेत' में निहित नारी भावना : डॉ. भारती भोंसले 240
45. जायसी कृत 'पद्मावत' में लोक–जीवन के विविध रंग : आशीष कुमार मौर्य प्रो. चंद्रकांत सिंह 244
46. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की प्रेमपरक कविताएँ : वस्तु और रूप : डॉ. शशिकांत मिश्र 250
47. भारतीय संविधान में डॉ. बी.आर. अंबेडकर का योगदान : डॉ. संजना सिंह ज्योति खांडे 255
48. भारतीय ज्ञान परंपरा की सात्यता और हिंदी साहित्य का विवेचन : डॉ. देवानन्द सिंह डॉ. प्रवीण कटारिया 261
49. आर्यगाथा' उपन्यास में राम से जुड़े मिथकीयः आशुतोष कुमार भारती 267
स्वरूप का विश्लेषणात्मक अध्ययन डॉ.अमित कुमार सिंह कुशवाहा
50. भारतीय ज्ञान परंपरा और कबीर वाणी : डॉ. सोनिया शर्मा डॉ. समीर 276
51. धर्मवीर भारती के मिथकमूलीय काव्य के सरोकार : यवनिका तिवारी 282
52. 'कही–अनकही' में दृष्टिबाधित पात्रों की पीड़ा : एक मूल्यांकन : प्रो. भारत भूषण डॉ. वन्दना शर्मा 294
53. आधुनिक तमिल साहित्य में सामाजिक परिदृश्य (1857 से 1980 तक) : डॉ. एम. सुधादेवी 300
54. मार्कण्डेय और सानु लामा की कहानियों में सामाजिक भावबोध : महेश लामिछाने 306
55. मिजो जनजाति के जीवन को बयां करता 'जहाँ बाँस फूलते हैं' : डॉ. सुषमा कुमारी रवि प्रकाश मिश्र 310
56. 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' नाटक के चतुर्थ अंक की विशेषता : एक अध्ययन : डॉ. रेनू शुक्ला भोलानाथ साहा 316
57. हिंदी साहित्य में मेरठ जनपद की महिला साहित्यकारों का अवदान : डॉ. प्रवीण कटारिया 320

पुस्तक समीक्षा

58. राष्ट्र–भक्ति, सैन्य–इतिहास और युद्ध–साहित्य की त्रिवेणी : इच्छामती की गवाही : समीक्षक प्रो. सुशील कुमार शर्मा 326